Dainik Bhaskar (Indore), 17th November 2024, Page- 01

भास्कर खास • आईआईटी इंदौर ने आर्मी ट्रेनिंग कमांड के साथ किया अपनी तरह का पहला समझौता

आईआईटी इंदौर अब सेना के जवानों को करवाएगा ट्रेनिंग, युद्ध नीति में टेक्नोलॉजी के समावेश पर रिसर्च भी करेंगे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर और भारतीय सेना अब मिलकर काम करेगी। संस्थान और आर्मी ट्रेनिंग कमांड (आर्ट्रेक) के बीच शनिवार को एक विशेष समझौता हुआ है। इसके तहत दोनों संस्थान युद्ध नीति में टेक्नोलॉजी का समावेश बढ़ाने के लिए संयुक्त रिसर्च करेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, सिग्नल प्रोसेसिंग और वीएलएसआई के क्षेत्र में भी मिलकर काम किया जाएगा।

समझौते का मुख्य उद्देश्य है सेना की विभिन्न जटिल चुनौतियों का समाधान ढूंढना है। आईआईटी इंदौर सैनिकों को ट्रेनिंग भी देगा। आर्मी ट्रेनिंग कमांड के विभिन्न सेंटर में पढ़ रहे सैनिक आईआईटी इंदौर आकर विभिन्न विषयों का अध्ययन कर सकेंगे। इसके लिए संयुक्त ट्रेनिंग मोड्यूल और कैप्सूल कोर्स बनाए जाएंगे, जो सैन्य क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप हों।

महू के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के ले. ज. केएच गवस और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

महू के मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के लेफ्टिनेंट जनरल गवस ने बताया कि आधुनिक युद्ध नीतियों में तकनीकी कौशल और तेजी बहुत महत्वपूर्ण है। यह पहल टेक्नोलॉजी आधारित युद्ध क्षेत्रों के लिए भारतीय सेना की तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान देगी और डिफेंस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करेगी।

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में सैन्य अनुसंधान केन्द्रों पर पढ़ेंगे छात्र

छात्रों और शिक्षकों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम भी आयोजित किये जाएंगे। रिसर्च के माध्यम से बने उत्पादों के लिए बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक लैब का इस्तेमाल भी किया जा सकेगा। इससे दोनों संस्थाएं मिलकर फील्ड -रिलेवेंट समाधान खोजेंगे।

सैन्य, अकादमिक शक्ति का संगम

यह साझेदारी सैन्य शक्ति और अकादमिक शक्ति के बीच आपसी सहयोग के क्षेत्र में एक मानक स्थापित करेगी। इससे रक्षा क्षेत्र में भविष्य की टेक्नोलॉजी को एकीकृत कर भारतीय सेना नए कीर्तिमान रचेगी।

– प्रो. सुहास एस. जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर